हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

# जनता का सच

वर्ष 05 अंक 36 | लखनऊ | शनिवार 12 सितम्बर 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

## वैश्विक आर्थिक वृद्धि में भी बढ़ी हिस्सेदारीः पुतिन

**नई दिल्ली,एजेंसी।** रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स और जी-7 के बीच आर्थिक प्रदर्शन की तुलना करते हुए शुक्रवार को कहा कि पिछले पांच वर्षों में विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि जी-7 की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत रही। इसी अवधि में वैश्विक आर्थिक वृद्धि में ब्रिक्स का योगदान आधे से अधिक रहा ।ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पुतिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा कई बार प्रतिबंधों, परिवहन मार्गों में बाधा और अन्य दबावों का रूप ले रही है। इसके बावजूद ब्रिक्स देशों के बीच व्यावसायिक सहयोग और निवेश वैश्विक आर्थिक संबंधों को अधिक मजबूत और लचीला बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में आर्थिक वृद्धि के पुराने केंद्रों की जगह नए विकास केंद्र ले रहे हैं। इसका प्रमुख कारण ब्रिक्स देशों की बड़ी आबादी और उनके गतिशील घरेलू बाजार हैं। पुतिन ने कहा कि रूस पर 30 हजार से अधिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। यह दुनिया के अन्य सभी देशों पर लगाए गए प्रतिबंधों की कुल संख्या से करीब दोगुने हैं। इसके बावजूद रूस ने अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता को मजबूत किया और विश्वसनीय साझेदारों के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाए। पिछले तीन वर्षों में रूस की आर्थिक वृद्धि विश्व औसत से अधिक रही। रूसी राष्ट्रपति के अनुसार, 2023-24 में रूस की अर्थव्यवस्था में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और बेरोजगारी दर घटकर रिकॉर्ड 2.3 प्रतिशत रह गई।

## ईरानी राष्ट्रपति ने आर्थिक सहयोग को ठोस रूप देने पर दिया जोर

**नई दिल्ली,एजेंसी।** ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने ब्रिक्स देशों के बीच आर्थिक सहयोग को केवल संभावनाओं तक सीमित रखने के बजाय उसे व्यापार, निवेश और संयुक्त वित्तपोषण के ठोस नेटवर्क में बदलने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और आर्थिक दबावों के बढ़ते इस्तेमाल के बीच ब्रिक्स की वास्तविक ताकत उसकी सामूहिक आर्थिक क्षमता को व्यावहारिक सहयोग में बदलने में है।ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पेजेश्कियन ने भारत सरकार और जनता का बैठक की मेजबानी के लिए आभार जताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ब्रिक्स सहयोग को मजबूत करने के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र, कारोबारी संस्थानों और उद्यमियों की भागीदारी से ब्रिक्स सहयोग को वास्तविक आर्थिक परिणामों में बदला जा सकता है। उनके अनुसार ब्रिक्स की ताकत केवल सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के आकार में नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश और संयुक्त वित्तपोषण के माध्यम से इन क्षमताओं को जोड़ने में है। ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा ने कहा कि वैश्विक दक्षिण की अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी पिछले कई दशकों में लगातार बढ़ी है।

### मोदी-पुतिन की मुलाकात, ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद

# व्यापार बाधाएं बढ़ने के दौर में भारत आर्थिक पुल बना रहा है : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली,एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में व्यापार बाधाएं बढ़ने के बीच भारत आर्थिक पुल बना रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार तभी आगे बढ़ सकता है, जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति मार्ग खुले रहें और नाविक सुरक्षित हों। भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का दृढ़ समर्थक है।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' है। भारत ने ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी तक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक विविध और भरोसेमंद बनाया है। सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों के विस्तार के साथ जहाज निर्माण, सेमीकंडक्टर, क्वांटम, महत्वपूर्ण खनिज और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में नई क्षमताएं विकसित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल से शीर्ष 10 व्यापार बाधाओं को हटाने के लिए रिपोर्ट तैयार करने, हर वर्ष 100 ब्रिक्स स्टार्टअप को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार में मदद करने और कारोबारों के बीच 1,000 नई साझेदारियां विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की हर वर्ष समीक्षा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद भारत ने करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। ब्रिक्स में भी भारत का दृष्टिकोण व्यापार बाधाओं को कम करना और कारोबार के अवसर बढ़ाना है। भारत की अध्यक्षता में कृषि, स्वास्थ्य, कौशल और स्मार्ट ग्रिड जैसे क्षेत्रों में नए सहयोग नेटवर्क बनाए गए हैं। स्टार्टअप और छोटे एवं मझोले उद्यमों को बाजार तथा वित्त से जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क, ब्रिक्स एमएसएमई पोर्टल और ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड जैसी पहल की गई हैं। उन्होंने कहा, ÷आज दुनिया में होने वाले वास्तविक समय के 50 प्रतिशत भुगतान इसी तकनीक के माध्यम से होते हैं। इस डिजिटल व्यवस्था पर नए समाधान तैयार करने के लिए हमने उद्योग और स्टार्टअप को एक खुला तंत्र उपलब्ध कराया है। हमें गर्व है कि भारत की इस विश्वस्तरीय व्यवस्था को कई देश अपना रहे हैं। ब्रिक्स देशों के नवोन्मेषक भी इस अनुभव के आधार पर अपने देशों के लिए नए समाधान तैयार कर सकते हैं।÷ ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2006 में चार देशों से शुरू हुआ ब्रिक्स आज सदस्य और साझेदार देशों को मिलाकर 21 देशों का परिवार बन चुका है। ब्रिक्स देश दुनिया की करीब 50 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद और 25 प्रतिशत से अधिक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद जहां करीब ढाई गुना बढ़ा, वहीं ब्रिक्स देशों की संयुक्त अर्थव्यवस्था करीब साढ़े चार गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा, ÷ब्रिक्स महिला व्यवसाय गठबंधन भी हमारे दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम चाहते हैं कि महिला उद्यमी हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करें। हमें खुशी है कि भारत में आयोजित इस गठबंधन की बैठक में करीब 200 महिला कारोबारी नेताओं ने भाग लिया।÷ उन्होंने कहा कि भारत में दो लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। भारतीय स्टार्टअप कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, हरित हाइड्रोजन, बैटरी, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के 50 प्रतिशत वास्तविक समय के भुगतान इसी तकनीक पर होते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत इस वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसकी अध्यक्षता की प्राथमिकताओं में आर्थिक सहयोग, नवाचार, व्यापार तथा वैश्विक स्तर पर सामूहिक समाधान को बढ़ावा देना शामिल है। कल 12 सितंबर से नेताओं का मुख्य शिखर सम्मेलन शुरू होगा, जिसमें रूस के पुतिन, चीन के शी जिनपिंग, ईरान के पेजेश्कियान समेत कई शीर्ष नेता हिस्सा लेंगे। सबसे ज्यादा नजर मोदी-शी मुलाकात और ब्रिक्स की डॉलर से इतर भुगतान व्यवस्था पर रहेगी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में व्यापार बाधाएं बढ़ने के बीच भारत आर्थिक पुल बना रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार तभी आगे बढ़ सकता है, जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति मार्ग खुले रहें और नाविक सुरक्षित हों। भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का दृढ़ समर्थक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' है। भारत ने ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी तक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक विविध और भरोसेमंद बनाया है।

## शिक्षा व्यवस्था से भारतीय युवा निराशः राहुल

**नई दिल्ली,एजेंसी।** राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था पीढ़ी को निराश कर रही है, जिसे बेहतर भविष्य देने के लिए बनाया गया था। उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से पूछा कि उनका शिक्षा व्यवस्था से भरोसा क्यों उठ गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की शुरुआत उन लोगों की बात सुनने से होगी, जो रोजाना इसकी कमियों का सामना कर रहे हैं। राहुल ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से अपने अनुभव, सबूत और सुझाव ऑनलाइन साझा करने को कहा। राहुल ने यह बात छात्रों की गूंज के 8 दिन पहले की है। इसका आयोजन 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर में होगा। अब तक कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में 4 कार्यक्रम कर चुके हैं।इंदौर में कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और प्रशासन के बीच अनुमति का मुद्दा बना हुआ है। कांग्रेस पिछले 11 दिन से अनुमति के

लिए प्रयास कर रही है। इसके लिए कलेक्टर, नगर निगम, पुलिस और इंदौर विकास प्राधिकरण के स्तर पर आवेदन और प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस का कहना है कि अनुमति मिले या नहीं, कार्यक्रम होकर रहेगा। वहीं प्रशासन का कहना है कि अनुमति निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था के आधार पर दी जाएगी।राहुल गांधी ने पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में महिलाओं की आजादी और पितृसत्ता के मुद्दे पर एक घंटा 16 मिनट बात की थी।

राहुल ने कहा था कि महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा होती है। पहली- पैदा होते ही हत्या, दूसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी- आर्थिक बंदिशें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, नौकरी, संपत्ति और अपने फैसले लेने की पूरी आजादी मिलनी चाहिए।राहुल ने प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में 47 मिनट बात की थी। उन्होंने कहा, %सिस्टम ने युवाओं को चक्रव्यूह में फंसा दिया है। इनसे कहा जाता है कि आपको जितनी रील बनाना है, बनाओ। मजदूरी करो। 21वीं सदी का नशा लो, लेकिन नौकरी नहीं मिल सकती है।

## मोदी ने 9/11 हमले के पीड़ितों को किया याद

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका में हुए भयावह 9/11 आतंकवादी हमलों की 25वीं बरसी पर हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत के अडिग रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद ने दुनियाभर में अनगिनत लोगों की जान ली है और इसका खतरा लगातार बदल रहा है, लेकिन आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ भारत का संकल्प अडिग है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में उन परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त की, जिनकी जिंदगी 11 सितंबर 2001 के भयावह हमलों से हमेशा के लिए बदल गई। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ जारी सभी प्रयासों के प्रति भारत की एकजुटता भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कई दशकों से सीमापार आतंकवाद का पीड़ित रहा है और इसी कारण वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर रहा है।

## ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र बनवाना हुआ आसान

**लखनऊ, संवाददाता।** योगी सरकार जमीन, नामांतरण, पैमाइश, बंटवारे और अन्य राजस्व मामलों का निस्तारण तय समय में सुनिश्चित करने के लिए लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। ऐसे में राजस्व परिषद में ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए आवेदन से लेकर निस्तारण तक की प्रक्रिया को ट्रैक करने की व्यवस्था की जा रही है। इसी के तहत राजस्व परिषद द्वारा शुक्रवार को धारा 116 पोर्टल, ईडब्ल्यूएस पोर्टल और सरलीकृत खतौनी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ट्रेनी पीसीएस अधिकारी भी मौजूद रहे राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आमजन मानस को राजस्व संबंधी सेवाओं को आसानी तक पहुंचाने के लिए काफी गंभीर हैं। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरुप इन तीन नये पोर्टल का उद्देश्य आम लोगों को राजस्व से जुड़ी सेवाओं के लिए अनावश्यक भागदौड़ और कागजी प्रक्रिया से राहत देना है। साथ ही भूमि संबंधी मामलों में पारदर्शिता बढ़ाने, अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 116 के तहत भूमि विभाजन से जुड़े मामलों के लिए नया पोर्टल शुरू किया गया है। अब सह-खातेदार भूमि के विभाजन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इससे लोगों को विभाजन का वाद दाखिल करने के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी। आवेदन के बाद नोटिस और उद्घोषणा की प्रक्रिया भी डिजिटल माध्यम से संचालित की जा सकेगी। संबंधित लेखपाल की रिपोर्ट भी पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इससे मामले की प्रगति को अलग-अलग स्तरों पर देखा और मॉनिटर किया जा सकेगा।

## बीएसएफ ने पाक घुसपैठिए को पकड़ा

**हीरानगर** जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ़) ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को जिंदा पकड़ने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी व्यक्ति ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के तरनाह नाले क्षेत्र से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास किया, जिसके बाद बी.एस.एफ़ जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया। पकड़े गए पाकिस्तानी घुसपैठिए से बी.एस.एफ़ द्वारा फ़िलहाल पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि वह भारतीय क्षेत्र में किस उद्देश्य से दाखिल हुआ और सीमा पार कर यहां तक पहुंचने के पीछे उसकी मंशा क्या थी। उसकी पहचान और अन्य विवरणों की भी जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी सक्रिय हो गईं। डी.एस.पी. बॉर्डर तथा थाना प्रभारी हीरानगर मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

## गगनयान कार्यक्रमः एलवीएम3 एम7 मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन का हॉट टेस्ट सफल

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** गगनयान मिशन के लिए इस्तेमाल होने वाले एलवीएम3 रॉकेट के ऊपरी तीसरे चरण, यानी क्रायोजेनिक इंजन का फ़्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह जानकारी इसरो ने गुरुवार को दी। एक ताजा जानकारी में अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि उसने एलवीएम3 प्रक्षेपण यान के सातवें परिचालन मिशन (एलवीएम3 एम7) के लिए चुने गए क्रायोजेनिक इंजन की फ़्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्टिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह परीक्षण नौ सितंबर, 2026 को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी) में मेन इंजन और स्टेज टेस्ट फैसिलिटी (एमईटी) में किया गया। हर मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन को उड़ान के लिए मंजूरी मिलने से पहले हॉट टेस्ट से गुज़रना पड़ता है। ज़्यादा ऊंचाई पर काम करने के लिए डिज़ाइन किए गए नोज़ल वाले इस ऊपरी चरण के इंजन की हॉट टेस्टिंग समुद्र-स्तरीय परिस्थितियों में करने के लिए, एक %नोज़ल प्रोटेक्शन सिस्टम% विकसित किया गया था और कई क्वालिफ़िकेशन परीक्षणों के माध्यम से उसे पहले ही प्रमाणित किया जा चुका था। एलवीएम3 प्रक्षेपण यान की पेलोड क्षमता बढ़ाने के लिए, एलवीएम3 के भविष्य के मिशनों की योजना सीई20 इंजन के लिए 22टी के उन्नत थ्रस्ट स्तर पर संचालित होने वाले सी32 चरण के साथ बनाई गई है। इसे ध्यान में रखते हुए, उड़ान स्वीकृति परीक्षण 22टी थ्रस्ट स्तर पर आयोजित किया गया। सीई20 इंजन का प्रदर्शन सभी परीक्षणों पर खरा उतरा, जिससे इंजन प्रणाली के संतोषजनक प्रदर्शन की पुष्टि हुई।

# वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में लचीलापन बढ़ाना जरूरी : जयशंकर

### डिजिटलीकरण और तकनीकी प्रगति ने विकास, उत्पादकता और आर्थिक विस्तार के नए अवसर खोले

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था उथल-पुथल, अस्थिरता और जटिलताओं से गुजर रही है। भू-राजनीतिक संघर्षों, महामारियों और जलवायु संबंधी व्यवधानों के आर्थिक प्रभाव के बीच लचीलापन अब किसी भी देश की आर्थिक रणनीति का केंद्रीय तत्व बन गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में नवाचार, टिकाऊ विकास और मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के साथ आर्थिक झटकों से निपटने की क्षमता बढ़ाना आवश्यक है। ब्रिक्स व्यापार मंच को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण और तकनीकी प्रगति ने विकास, उत्पादकता और आर्थिक विस्तार के नए अवसर खोले हैं, लेकिन इनके साथ नए जोखिम भी सामने आए हैं। इसलिए देशों को बदलती परिस्थितियों का अनुमान लगाने, उनके अनुरूप खुद को ढालने और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ब्रिक्स की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। ब्रिक्स अलग-अलग संसाधनों, बाजारों, क्षमताओं और अनुभवों वाली अर्थव्यवस्थाओं को एक मंच पर लाता है। यह सदस्य देशों को अपने दृष्टिकोण साझा करने, ठोस व्यवस्थाएं विकसित करने और आर्थिक सहयोग के नए अवसर तलाशने का मंच उपलब्ध कराता है। विदेश मंत्री ने कहा कि सरकारों के बीच सहयोग जरूरी ढांचा तैयार कर सकता है, लेकिन व्यापार जगत ही उसे वास्तविक आर्थिक स्वरूप देता है। ब्रिक्स की संभावनाओं को ठोस परिणामों में बदलने में कारोबारी समुदाय

महत्वपूर्ण भागीदार है। ब्रिक्स व्यापार परिषद और ब्रिक्स महिला व्यापार गठबंधन उद्योग, उद्यमियों और कारोबारी नेतृत्व की भागीदारी को ब्रिक्स प्रक्रिया से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि आपूर्ति श्रृंखला संपर्क और व्यापार सुगमता महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं हैं। इसके साथ सेवाओं, कृषि एवं कृषि-प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाओं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप और महिला उद्यमों को बढ़ावा देना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के कारोबारियों के लिए साझेदार तलाशना, बाजारों तक पहुंच बनाना और आपूर्ति नेटवर्क को जोड़ना आसान बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिक आर्थिक गतिविधि से आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता मजबूत होती है। इसके लिए भरोसेमंद रसद व्यवस्था, अनुमान योग्य कारोबारी माहौल, विविधीकृत व्यापारिक संबंध तथा पारदर्शी व्यापार और निवेश व्यवस्था आवश्यक है। विदेश मंत्री ने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वित्तीय प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण बड़े अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। हालांकि इनके साथ पहुंच, मानक, सुरक्षा और भरोसे से जुड़े सवाल भी हैं। भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स के स्टार्टअप और नवाचार केंद्रों को जोड़ने तथा नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पहल की गई है।

# ब्रिक्स में भारत के सामने अवसर.....

**नन्तू बनर्जी**
**********

बारह वर्ष पहले जिस भारत को ब्रिक्स की कमजोर कड़ी बताया जा रहा था, आज वही भारत इस विस्तारित समूह की दिशा तय करने की कोशिश कर रहा है। वस्तुत- वित्त वर्ष 2025-26 में ब्रिक्स देशों को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 49.27 प्रतिशत की छलांग इसका प्रमाण है। दूसरी ओर एक अन्य पहलू भी है जो ब्रिक्स के साथ भारत का व्यापार घाटा 2025-26 में बढ़कर 226.1 अरब डॉलर हो जाना बता रहा है, इसलिए दिल्ली में हो रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए तालियां बटोरने का अवसर नहीं, अपनी आर्थिक रणनीति की परीक्षा है। ब्रिक्स की कहानी में भारत की स्थिति सचमुच बदली है। वर्ष 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने 'ब्रिक' शब्द गढ़ा था। तब यह चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक संभावना का अनुमान था। आज यह 11 देशों का ऐसा समूह है, जो दुनिया की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी और 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है। भारत इस वर्ष इसकी अध्यक्षता कर रहा है और 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में 18वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। वैसे यह परिवर्तन अपने आप नहीं आया। 2011-12 में भारत को लेकर जो आर्थिक चिंताएं व्यक्त की गई थीं, उनमें महंगाई, कमजोर मुद्रा, राजकोषीय घाटा, चालू खाते का घाटा, कमजोर बुनियादी ढांचा और धीमी निवेश गति प्रमुख थे। आज भारत के सामने समस्याएं खत्म नहीं हुई हैं, किंतु उसकी आर्थिक क्षमता, डिजिटल अवसंरचना, विनिर्माण महत्वाकांक्षा और वैश्विक कूटनीतिक स्वीकार्यता का पैमाना निश्चित रूप से बदल चुका है। यहीं से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का आंकड़ा विशेष महत्व ग्रहण करता है। ब्रिक्स देशों को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 49.27 प्रतिशत वृद्धि, कुल निर्यात की 26.53 प्रतिशत वृद्धि से कहीं आगे है। सबसे दिलचस्प तथ्य यह है कि भारत के ब्रिक्स इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में चीन और संयुक्त अरब अमीरात की संयुक्त हिस्सेदारी 88.50 प्रतिशत है। दूरसंचार उपकरण 74.60 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा निर्यात खंड हैं। इसका अर्थ साफ है, जहां भारत और चीन के बीच रणनीतिक अविश्वास और सीमा संबंधी तनाव मौजूद हैं, वहीं आर्थिक क्षेत्र में अवसर और

निर्भरता का एक जटिल रिश्ता भी कायम है। भारत को इसी विरोधाभास के बीच अपनी आर्थिक सुरक्षा और निर्यात क्षमता दोनों को साधना होगा, भारत की शक्ति उसकी रणनीतिक स्वायत्तता में है। उसे अमेरिका और यूरोप के बाजारों से भी जुड़ना है, चीन और रूस से भी आर्थिक संबंध रखने हैं और ग्लोबल साउथ के देशों में अपने लिए नए बाजार भी बनाने हैं। ब्रिक्स भारत के लिए दुनिया में अपने हितों को आगे बढ़ाने का साधन होना चाहिए। यह अच्छा है कि भारत इस वर्ष ब्रिक्स में उभरती तकनीकों पर शोध सहयोग और अंतर-सरकारी साझेदारी को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर यह है कि वह अपनी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और तकनीकी क्षमताओं को ब्रिक्स बाजारों से जोड़े। डिजिटल भुगतान, व्यापार दस्तावेज, प्रमाणन, सीमा-पार भुगतान और आपूर्ति श्रृंखला को डिजिटल बनाने में यदि सदस्य देश साझा व्यवस्था विकसित करते हैं तो व्यापार की लागत घट सकती है। स्वभाविक है, इसका बड़ा लाभ भारत को होगा। वैसे भी पांच वर्षों में ब्रिक्स के साथ भारत का व्यापार दोगुने से अधिक हुआ, मगर इसी अवधि में व्यापार घाटा 74.5 अरब डॉलर से बढ़कर 226.1 अरब डॉलर हो गया। चीन, संयुक्त अरब अमीरात और रूस इस असंतुलन के प्रमुख स्रोत हैं, इसलिए यहां लगता है कि 'ब्रिक्स में भारत की बढ़ती ताकत' का उत्सव अधूरा होगा। भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ब्रिक्स का विस्तार भारतीय बाजार में आयात बढ़ाने का माध्यम भर न बन जाए। वास्तविक सफलता तब होगी जब भारतीय मशीनें, इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधियां, इंजीनियरिंग उत्पाद, डिजिटल सेवाएं, कृषि-तकनीक और नवाचार इन बाजारों में अधिक जगह बनाएंगे। यही कारण है कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का बाजार खोलने, नियामकीय प्रक्रियाएं सरल करने और खेपों की तेज मंजूरी पर जोर है। यह भारत के निर्यात भविष्य की बुनियादी शर्त है। ब्रिक्स की विशाल जनसंख्या भारत के लिए तभी बाजार बनेगी, जब भारतीय कंपनियों के लिए वहां प्रवेश की लागत और बाधाएं कम होंगी। एमएसएमई के संदर्भ में यह और महत्वपूर्ण हो जाता है। बड़ी कंपनियां किसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बना लेती हैं, लेकिन छोटे उद्योगों के सामने वित्त, प्रमाणन, भुगतान, लॉजिस्टिक्स और बाजार की जानकारी जैसी बाधाएं होती हैं। प्रस्तावित एमएसएमई सहयोग तंत्र और इनवॉइस डिस्काउंटिंग व्यवस्था यदि जमीन पर उतरती है तो ब्रिक्स भारत के छोटे उद्यमों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रवेशद्वार बन सकता है। भारत की रोजगार क्षमता और निर्यात क्षमता को साथ बढ़ाने का यही रास्ता है। इस दृष्टि से ब्रिक्स ट्रेड मंत्रियों की बैठक में एमएसएमई ऋण अंतर को कम करने और वैश्विक बाजारों तक छोटे व्यवसायों की पहुंच बढ़ाने के लिए सहमति भी महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ी जरूरत घोषणाओं को परिणाम में बदलने की है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस ने भी स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स को रणनीतिक संवाद से आगे बढ़कर निर्यात, निवेश, तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला और भुगतान व्यवस्था में मापने योग्य परिणाम देने होंगे। आज ब्रिक्स के सामने अपनी एकता की भी परीक्षा है। ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि, चीन और भारत के बीच अविश्वास और वैश्विक व्यापार में बढ़ते भू-राजनीतिक टकराव इसे आसान मंच नहीं बनाते। ऐसे में भारत की अध्यक्षता की असली सफलता यह होगी कि वह अलग-अलग हितों वाले देशों को कम-से-कम आर्थिक सहयोग के साझा एजेंडे पर साथ ला सके। भारत के लिए यह क्षण आत्ममुग्ध हो जाने का बिल्कुल नहीं है, वस्तुत- आत्मविश्वास के साथ आत्मपरीक्षण करने का है। 'ब्रिक्स में भारत कमजोर कड़ी है' से 'ब्रिक्स में भारत महत्वपूर्ण कड़ी है' तक की यात्रा निश्चित रूप से उल्लेखनीय है, किंतु अगला पड़ाव इससे कहीं कठिन है, क्योंकि यहीं से भारत को महत्वपूर्ण कड़ी से निर्णायक आर्थिक शक्ति बनना है। इसके लिए ब्रिक्स की मेज पर भारत को तीन बातें लगातार रखनी होंगी, एक- बाजार तक आसान पहुंच, दो- तकनीक में साझेदारी और अंतिम- व्यापार में संतुलन। चौथी बात अपने आप निकलती है, वह है भारतीय उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का सूत्र 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता' है। अब इस सूत्र को नारे से नीति और नीति से परिणाम में बदलने का समय है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात की 49.27 प्रतिशत वृद्धि ने संभावनाओं का दरवाजा खोल दिया है, किंतु 226.1 अरब डॉलर का व्यापार घाटा चेतावनी भी दे रहा है, इसलिए इस शिखर सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं होगी कि दुनिया के बड़े नेता दिल्ली में एक साथ दिखाई दिए। असली उपलब्धि तब होगी जब ब्रिक्स की बैठक से लौटते समय भारतीय उद्यमी के सामने नए बाजार हों। भारतीय एमएसएमई वैश्विक मूल्य श्रृंखला में हों और भारत का निर्यात आयात की रफ्तार को पीछे छोड़ रहा हो। ब्रिक्स में 'आई' यानी इंडिया की वापसी हो चुकी है। अब सवाल यह है कि क्या यह 'आई' भारत की आर्थिक शक्ति का नया प्रतीक बनेगा?

## संम्पादकीय

### विनोबा : अहिंसक क्रांति के अग्रदूत

आचार्य विनोबा भावे का जीवन सत्य, प्रेम एवं करुणा से सिंचित, पल्लवित एवं पुष्पित एक बेमिसाल नजीर था। विनोबा बंगाल की क्रांति एवं हिमालय की शांति की तलाश में 1916 में वाराणसी पहुंचे थे, फिर वहां से गांधीजी के पास पहुंच गए। इन दो महापुरुषों के मिलन ने विश्व के इतिहास को नई दिशा दी, सभ्यता को उस शिखर पर ले गए जिनके आलोक से युद्ध और हिंसा से झुलसती दुनिया आज भी शीतलता प्राप्त कर सकती है। विनोबाजी का जन्म 11 सितंबर, 1895 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के एक छोटे से गांव गागोदा में हुआ था। उनका नाम विनायक नरहरि भावे था। मां इन्हें प्यार से विन्या कहकर पुकारती थी। विनोबा के पिता का नाम नरहरि शम्भूराव भावे और माता का नाम रुक्मिणी बाई (रखुमाई) था। विनोबा गांधी जी का दिया हुआ नाम था, जिससे पूरी दुनिया उन्हें जानती है। मां का विनोबा पर गहरा असर पड़ा। उनका मानना था कि वे जो कुछ भी हैं, अपनी मां की वजह से हैं। विनोबा ने गीता का मराठी अनुवाद गीताई (गीता+आई) मां के कारण ही किया। वे कहते थे कि मां ने मुझे मानव के आचार धर्म (आचरण के उसूल) की शिक्षा दी। उनका मानना था कि भूदान आंदोलन के दौरान जो भी कार्य हुआ वह मां की शिक्षा के कारण ही हुआ। आजादी के बाद देश उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा था। बंटवारे के कारण परिस्थिति विषम थी। गांधी की शहादत के कारण देश में घोर निराशा का वातावरण पसरा हुआ था। गांधी के बाद क्या? यह यक्ष प्रश्न बनकर खड़ा था। ऐसे में लोगों का ध्यान विनोबा जी ओर गया जिन्होंने न केवल इस दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वाह किया, बल्कि सर्वोदय दर्शन और अहिंसा के प्रयोग को नई उंचाई पर पहुंचाया। गांधीजी ने अपने प्रयोगों से पहले दक्षिण अफ्रीका फिर भारत की आजादी की लड़ाई में साबित कर दिया था कि अहिंसा व्यक्ति के साथ समाज का भी मूल्य हो सकती है। हिंसा का जवाब अहिंसा से दिया जा सकता है। दर्शन के रूप में गांधीजी ने सर्वोदय का विचार लोगों के सामने रखा। विनोबा ने इन प्रयोगों को आगे बढ़ाया, जिसका इतिहास में कोई सानी नहीं है। विनोबा के शब्दों में-अहिंसा की खोज करना मेरा जीवनकार्य रहा। मेरी शुरू हुई प्रत्येक कृति, हाथ में लिया हुआ प्रत्येक काम-सब उसी एक प्रयोग के लिए हुए और हो रहे हैं। मैं एक अलग दुनिया का आदमी हूं। मेरे पास प्रेम है, मत नहीं। मेरे पास विचार हैं जो मुक्त होते हैं। वे बंधे हुए नहीं होते। सज्जनों के साथ विचार-विमर्श कर उनके विचार ले सकते हैं और अपने विचार उन्हें दे सकते हैं। प्रेम और विचार में जो शक्ति है वह किसी और में नहीं। जिस देश में सत्ता, सम्पत्ति के लिए महाभारत हुए, जहां जमीन के लिए भाई-भाई के बीच मुकदमा, दुश्मनी आम बात है। वहां प्रेम और करुणा के आधार पर 47 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन भूमिहीनों के लिए प्राप्त करना कोई चमत्कार से कम नहीं था। तेलंगाना के पोचमपल्ली गांव से निकलने वाली श्भूदान गंगाश् की धारा न केवल पूरे देश में पहुंची, बल्कि इसकी गूंज विदेशों में भी सुनी गई। इस आंदोलन से न केवल भूमिहीनों के लिए जमीन मिली, बल्कि ऐसे अनेक चमत्कार हुए, जिसकी कल्पना भी करना मुश्किल था। तेलंगाना में जमीन के प्रश्न का हल अहिंसा के रास्ते निकाला। हिंसा की ज्वाला शांत हुई।

# पर्युषण महापर्व : आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

**ललित गर्ग**
**********

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है। आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़

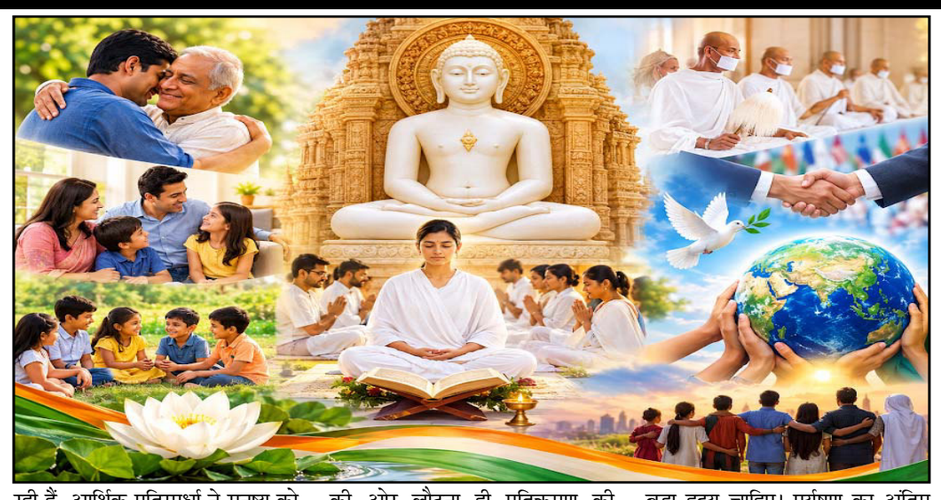

रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात् अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है।संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है। भगवान महावीर का संदेश-÷मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ÷-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दुःख को अपने सुख-दुःख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं। आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी।

भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है।

पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मोन्नयन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सवेरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

## आज का राशिफल

**मेष** निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

**वृषभ** आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।

**मिथुन** आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।

**कर्क** बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।

**सिंह** नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।

**तुला** महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।

**कन्या** किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

**वृश्चिक** परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

**धनु** मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

**मकर** राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

**कुंभ** विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।

**मीन** आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

# दुनिया की चिंता, एआई कैसे बनता जा रहा है भस्मासुर

**संजय सक्सेना**
*********

भारत में चल रहा ब्रिक्स सम्मेलन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के फायदे और नुकसान को लेकर दुनिया को आईना दिखाने के लिये एक बड़ा महत्वपूर्ण प्लेटफार्म साबित हो सकता है। एआई क्रांति को लेकर जब हम गहराई में जाते हैं, तो रोजगार से लेकर तमाम क्षेत्रों में इसका प्रभाव और डीपफेक से निपटने के वैश्विक प्रयास दो सबसे बड़े और महत्वपूर्ण किनारे दिखाई देते हैं, जहां आज की दुनिया को एआई को लेकर सबसे सख्त फैसलों और सुरक्षा के लिये सख्त कदम उठाने की जरूरत है। ये दोनों विषय केवल तकनीकी चुनौतियां नहीं हैं, बल्कि ये हमारे सामाजिक ढांचे के स्थायित्व और हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुद्धता से सीधे जुड़े हुए हैं। जब हम रोजगार के मोर्चे पर एआई के असर का विश्लेषण करते हैं, तो यह साफ हो जाता है कि हम श्रम बाजार के एक ऐतिहासिक पुनर्गठन के गवाह बन रहे हैं। अतीत की औद्योगिक क्रांतियों ने नीली वर्दी वाले श्रमिकों यानी मैनुअल लेबर को प्रभावित किया था, लेकिन इस बार की एआई क्रांति सीधे सफेदपोश नौकरियों (वाइट कलर जॉब्स) पर हमला कर रही है। डेटा एंट्री, बुनियादी कोडिंग, कंटेंट राइटिंग, कस्टमर सपोर्ट और कानूनी दस्तावेजों की शुरुआती समीक्षा जैसे काम, जो कभी लाखों युवाओं की आजीविका का साधन थे, अब कुछ सेकंड में एआई द्वारा पूरे किए जा रहे हैं। इसका असर यह हो रहा है कि कॉर्पोरेट जगत में लागत कम करने और मुनाफा बढ़ाने की होड़ मची है, जिससे बड़े पैमाने पर छंटनी और नई नौकरियों के अवसरों में कमी देखी जा रही है। लेकिन इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है जिसे विशेषज्ञ स्किल री-ओरिएंटेशन या कौशल का पुनर्गठन कहते हैं। एआई केवल नौकरियां छीन नहीं रहा है, बल्कि यह नए तरह के काम भी पैदा कर रहा है, जैसे कि प्रॉम्प्ट इंजीनियर्स, एआई एथिक्स स्पेशलिस्ट और डेटा क्यूरेटर्स। चुनौती यह नहीं है कि दुनिया में काम खत्म हो जाएगा, बल्कि चुनौती यह है कि जिस गति से पुरानी नौकरियां जा रही हैं, क्या हमारा कार्यबल उतनी गति से खुद को अपग्रेड कर पा रहा है? इस बदलाव के कारण समाज में एक बड़ा डिजिटल डिवाइड या आर्थिक असमानता पैदा होने का खतरा है, जहां उच्च तकनीकी कौशल वाले लोग तो बेहद अमीर हो जाएंगे, लेकिन पारंपरिक कौशल वाले लोग पूरी तरह हाशिए पर चले जाएंगे। इस आर्थिक उथल-पुथल के समानांतर, एक और संकट हमारी सामाजिक स्थिरता को खोखला कर रहा है, और वह है डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से किसी भी व्यक्ति के चेहरे, हाव-भाव और आवाज की ऐसी हूबहू नकल तैयार की जा सकती है कि असली और नकली का अंतर करना लगभग असंभव हो जाता है। चुनावों के दौरान फर्जी राजनीतिक बयान जारी करके मतदाताओं को गुमराह करना, वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किसी बड़े अधिकारी या परिवार के सदस्य की नकली आवाज का इस्तेमाल करना और महिलाओं की अश्लील या आपत्तिजनक तस्वीरें बनाकर उन्हें प्रताड़ित करना इसके आम उदाहरण बन चुके हैं। यह तकनीक सीधे तौर पर समाज के सबसे बड़े स्तंभ विश्वास पर चोट करती है। जब समाज में यह धारणा आम हो जाएगी कि जो दिख रहा है या सुनाई दे रहा है वह झूठ हो सकता है, तो सूचनाओं की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो जाएगी, जिससे अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है। इस भयानक खतरे को भांपते हुए, पिछले कुछ समय में डीपफेक से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर अप्रत्याशित प्रयास शुरू हुए हैं। दुनिया भर की सरकारें, तकनीकी कंपनियां और नागरिक समाज अब इस बात पर सहमत हैं कि इस अनियंत्रित तकनीक पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। कानूनी मोर्चे पर, यूरोपीय संघ ने इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए एआई एक्ट को लागू किया है, जो दुनिया का पहला व्यापक एआई कानून है। यह कानून हाई-रिस्क एआई प्रणालियों पर कड़े प्रतिबंध लगाता है और डीपफेक सामग्री को अनिवार्य रूप से लेबल करने का नियम बनाता है, ताकि उपभोक्ताओं को पता चल सके कि वे जो देख रहे हैं वह कृत्रिम रूप से तैयार किया गया है। अमेरिका और भारत जैसी बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं ने भी अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और चुनावी अखंडता को बचाने के लिए कड़े नियम बनाए हैं, जिसके तहत बिना सहमति के किसी का डीपफेक बनाना या उसे सोशल मीडिया पर फैलाना एक गंभीर और दंडनीय अपराध घोषित किया जा चुका है। इसके साथ ही, तकनीकी कंपनियां अब केवल कानून के भरोसे नहीं बैठी हैं, बल्कि वे तकनीक का मुकाबला तकनीक से ही करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और मेटा जैसी कंपनियों ने ऐसे एडवांस्ड एल्गोरिदम और टूल विकसित किए हैं जो डीपफेक वीडियो में पिक्सल के स्तर पर होने वाली विसंगतियों और आवाज के कृत्रिम पैटर्न को पकड़ सकते हैं। वॉटरमार्किंग और क्रिप्टोग्राफिक प्रूवनेंस जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसी भी डिजिटल कंटेंट के जन्म और उसके इतिहास को ट्रैक किया जा सके। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर कंटेंट ऑथेंटिसिटी इनिशिएटिव्स सीएआई जैसे गठबंधन काम कर रहे हैं, जो डिजिटल मीडिया की प्रामाणिकता की जांच के लिए नए वैश्विक मानक तय कर रहे हैं। हालांकि, इन तमाम तकनीकी और कानूनी प्रयासों के बावजूद, सबसे बड़ी चुनौती इसकी गति और पहुंच को लेकर है। कानून और डिटेक्शन टूल्स हमेशा एआई के नए अपडेट्स से एक कदम पीछे रह जाते हैं।

# दिल्ली वक्फबोर्ड गठन याचिका पर हाईकोर्ट ने केंद्र-दिल्ली सरकार से जवाब मांगा

**नयी दिल्ली ।** दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के गठन के अनुरोध वाली याचिका पर केंद्र और दिल्ली सरकार से अपना पक्ष रखने को कहा है। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने 1995 के वक्फ अधिनियम, जिसे वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के जरिए संशोधित किया गया है, के तहत बोर्ड के गठन की वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर दोनों सरकारों को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि अगस्त 2023 में पिछले दिल्ली वक्फ बोर्ड का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नए बोर्ड के गठन के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। याचिका के अनुसार, इस बीच दिल्ली सरकार ने जनवरी 2024 में एक प्रशासक नियुक्त किया, लेकिन वैधानिक प्रावधान होने के बावजूद अब तक बोर्ड का गठन नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति दयाल ने आठ सितंबर को दिल्ली सरकार और केंद्र को अपना जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। याचिकाकर्ता मोहम्मद शाहिद ने अपनी याचिका में कहा कि 2025 के संशोधन के बाद भी संसद ने प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड के गठन की वैधानिक जिम्मेदारी बरकरार रखी है। इसलिए अधिकारियों द्वारा बोर्ड का गठन न करना उनके वैधानिक दायित्व का उल्लंघन है। याचिका में आरोप लगाया गया कि लंबे समय से बोर्ड नहीं होने कारण राजधानी में स्थित मूल्यवान वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण, अनधिकृत कब्जे, अवैध हस्तांतरण, दुरुपयोग और उनके जर्जर होने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है। याचिका में कहा गया, सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थानों, मस्जिदों, कब्रिस्तानों, शिक्षण संस्थानों और उचित वैधानिक निगरानी पर निर्भर अन्य वक्फ संस्थानों को नुकसान पहुंचा है। साथ ही, वक्फ के लाभार्थियों जिनमें श्रद्धालु और मुस्लिम समुदाय के सदस्य शामिल हैं, को संसद द्वारा निर्धारित वैधानिक सुरक्षा से वंचित होना पड़ा है।याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रिजवान अहमद, फिरोज खान गाजी, मोहम्मद वासिक खान, हिमांशु गुप्ता और मोहम्मद शोएब अंसारी पेश हुए।

## वंदे मातरम विवाद पर नेशनल कॉन्फ्रेंस से नाराज सांसद रूहुल्लाह

श्रीनगर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के बागी नेता और लोकसभा सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने शुक्रवार को अपनी पार्टी की आलोचना की।उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने संशोधित वक्फएक्ट और राष्ट्रगीत वंदे मातरम के कुछ छंदों को थोपने के खिलाफलड़ाई छोड़ दी है।साथ ही, रूहुल्लाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को अल्पसंख्यकों की चिंताओं के प्रति अधिक संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने अपनी शएक्सश् पोस्ट में कहा कि उन्होंने वक्फसंशोधन का विरोध किया था, लेकिन बाद में पाया कि उनकी पार्टी ने लड़ाई छोड़ दी और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में इसके खिलाफप्रस्ताव लाने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाई। उन्होंने कहा कि पंजाब और कुछ दक्षिणी राज्यों ने ऐसा कदम उठाया था।रूहुल्लाह ने वंदे मातरम के कुछ हिस्सों को अनिवार्य रूप से लागू करने का भी विरोध किया और इसे असंवैधानिक बताया।रूहुल्लाह ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी ने इसके बजाय भाजपा और आरएसएस के सामने घुटने टेक दिए।उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब अल्पसंख्यकों को हाशिए पर धकेला जा रहा है, हमें आरएसएस और भाजपा के सांप्रदायिक हमलों को सामान्य नहीं मानना चाहिए।उन्होंने लोगों से पूरे भारत में अल्पसंख्यकों की चिंताओं के लिए खड़े होने का आग्रह किया।रूहुल्लाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, जो भारत संघ में सबसे बड़ा मुस्लिम-बहुल क्षेत्र है, उसे अल्पसंख्यकों की धार्मिक मान्यताओं और चिंताओं के प्रति अधिक संवेदनशील होना चाहिए।उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के पास सही बात के लिए खड़े होने का ऐतिहासिक मौका है।आइए इस मौके को न गंवाएं। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में समझदारी, संवेदनशीलता और साहस की जरूरत है, न कि किसी और

## हिमाचल में अब नहीं लटकेगा अनुबंध कर्मचारियों का नियमितीकरण, हजारों होंगे लाभान्वित

**शिमला, एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश के हजारों अनुबंध कर्मचारियों को अब दो साल कार्यकाल पूरा करने पर पक्का होने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। प्रदेश सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शर्तें पूरी कर चुके कर्मचारियों के नियमितीकरण में अब कोई भी विभागीय देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान दो साल पहले सरकारी सेवा में आए 1000 से 1500 अनुबंध कर्मचारी इससे लाभान्वित होंगे। इसके अतिरिक्त नियम पूरे करने वाले दैनिक भोगियों को भी चरणबद्ध ढंग से नियमितीकरण का लाभ प्राप्त होगा।**दो तारीखें हैं तय:** राज्य सरकार की नीति के अनुसार, हर साल 31 मार्च और 30 सितंबर को उन अनुबंध कर्मचारियों को नियमित किया जाता है, जिन्होंने अपने सेवाकाल के दो वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। अक्सर कागजी प्रक्रिया और विभागीय लेटलतीफी के कारण कर्मचारियों को पक्का होने के आदेशों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। **तय तिथि के बाद तुरंत होंगे आदेश:** इस बार पूरी कोशिश है कि तय तारीखों (31 मार्च और 30 सितंबर) के तुरंत बाद कर्मचारियों को उनके नियमितीकरण के आदेश सौंप दिए जाएं।

## बीकानेर की 6 नगर पालिकाओं में वोटिंग

**बीकानेर, एजेंसी।** बीकानेर जिले की 6 नगर पालिकाओं–श्रीडूंगरगढ़, खाजूवाला, लूणकरणसर, देशनोक, नापासर और नोखा में शुक्रवार सुबह 7 बजे से शांतिपूर्ण मतदान जारी है। दोपहर 1 बजे तक देशनोक नगर पालिका 64.35 फीसदी मतदान के साथ सबसे आगे रही, जबकि नापासर में सबसे कम 52.51 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई। मतदान के दौरान खाजूवाला में विवाद और श्रीडूंगरगढ़ में तकनीकी खराबी की घटनाएं सामने आईं। मतदान के दौरान विवाद और तकनीकी अड़चन खाजूवाला में प्रत्याशी और मतदाता के बीच विवाद: पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय स्थित वार्ड नंबर 5 के मतदान केंद्र पर कांग्रेस प्रत्याशी और एक मतदाता के बीच तीखी झड़प हो गई। मतदाता ने प्रत्याशी पर धमकाने का आरोप लगाया। तनाव बढ़ता देख पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और व्यवस्था बहाल कराई। श्रीडूंगरगढ़ में ईवीएम खराब: वार्ड नंबर 22 के सनशाइन स्कूल (गौरव पथ रोड) केंद्र पर मतदान शुरू होने से पहले मॉक पोल के दौरान ईवीएम के दो-तीन बटन जाम हो गए। सूचना मिलते ही तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और मशीन को दुरुस्त कर सुचारु मतदान शुरू कराया। सुबह 10 बजे जहां देशनोक में 36.31% और नापासर में 27.02% मतदान दर्ज हुआ था, वहीं दोपहर 1 बजे तक देशनोक में 64.35% और नापासर में 52.51% तक आंकड़ा पहुंच गया। जिले की सभी छह निकायों में शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे। बीकानेर नगर निगम के लिए मतदान पहले ही बुधवार को संपन्न हो चुका है। श्रीडूंगरगढ़ का वार्ड संख्या 17 इस चुनाव में सबसे हॉट सीट बना हुआ है। यहां से श्रीडूंगरगढ़ विकास मंच के जतन सिंह राजपुरोहित मैदान में हैं, जो मंच की ओर से सभापति पद के प्रमुख दावेदार भी माने जा रहे हैं। इस सीट पर उन्हें भाजपा के भरत, कांग्रेस के श्रीकिशन और माकपा (CPIM) के आरिफ से कड़ा मुकाबला मिल रहा है।

## श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी में राजस्थान स्टार्टअप क्वेस्ट 2026 पर जागरूकता सेमिनार



### ● नवाचार और उद्यमिता के अवसरों पर हुआ मंथन

**झुंझुनूं/चूड़ेला, एजेंसी।** श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला विश्वविद्यालय (श्री जेजेटी यूनिवर्सिटी) में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग (DoIT&C) के संयुक्त तत्वावधान में 'राजस्थान स्टार्टअप क्वेस्ट 2026' पर एक विशेष जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं भावी युवा उद्यमियों को राज्य सरकार के स्टार्टअप इकोसिस्टम, पंजीकरण प्रक्रिया तथा नवाचार व स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली विभिन्न योजनाओं से रूबरू कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात डॉ. आरती पवार ने सेमिनार की रूपरेखा और विषयवस्तु पर विस्तार से प्रकाश डाला। डिजिटल युग में युवाओं को दिखानी होगी गंभीरता: ष्ठश्वढ्ढञ्ज×ष्ट विशेषज्ञ सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित अलसीसर ब्लॉक के DoIT&C प्रोग्रामर बंटेश चावला ने कहा कि आज का युग डिजिटल नवाचारों का है, जिसमें युवाओं को अपने इनोवेटिव विचारों के साथ आगे आना होगा। सहायक प्रोग्रामर महेंद्र कुमार एवं इंजीनियर राज वीरेंद्र ने 'राजस्थान स्टार्टअप क्वेस्ट 2026' के प्रमुख बिंदुओं, प्रतियोगिताओं के विभिन्न चरणों, सरकारी वित्तीय सहायता और पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इंटरैक्टिव सत्र के दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों को समझाया कि वे अपने नए विचारों (आइडियाज) को सरकार के इनक्यूबेशन और स्टार्टअप समर्थन तंत्र के जरिए किस तरह एक सफल व्यावसायिक मॉडल में बदल सकते हैं।

**विश्वविद्यालय नेतृत्व की रही गरिमामयी उपस्थिति:** यह सेमिनार विश्वविद्यालय प्रशासन के दिशा-निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. मधु गुप्ता, रजिस्ट्रार डॉ. अजीत कुमार और डॉ. महेश सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

## उदयपुर नगर निगम चुनाव : शोभागपुरा में फर्जी मतदान का आरोप, वार्ड 23 में हंगामा, वार्ड 29 में कार्यकर्ता भिड़े



**उदयपुर, एजेंसी।** उदयपुर नगर निगम के 80 वार्डों में पार्षद चुनने के लिए शुक्रवार को मतदान जारी है। दोपहर 3 बजे तक नगर निगम क्षेत्र में 52.13 फीसदी वोटिंग दर्ज की गई, जबकि जिले की मावली और कानोड़ नगर पालिकाओं में मतदाताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। मतदान के दौरान शहर के कुछ वार्डों में फर्जी वोटिंग के आरोप लगे और राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच तीखी नोकझोंक के बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। वार्ड 23 में हंगामा हुआ और वार्ड 29 में कार्यकर्ता भिड़े। एक के सिर में चोट लगी। दोपहर 3 बजे तक मतदान की स्थिति उदयपुर नगर निगम: सुबह 10 बजे 12.06%, दोपहर 1 बजे 38.45% और दोपहर 3 बजे तक 52.13% मतदान हुआ। मावली नगर पालिका: सुबह 10 बजे 28.86%, दोपहर 1 बजे 67.57% और दोपहर 3 बजे तक 79.48% वोटिंग दर्ज की गई। कानोड़ नगर पालिका: सुबह 10 बजे 37.33%, दोपहर 1 बजे 56.24% और दोपहर 3 बजे तक 76.16% मतदान हुआ।

**मतदान के दौरान विवाद और हंगामे के मामले:** तीन वोटर्स के फर्जी वोट डलने का आरोप: वार्ड संख्या 76 स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (शोभागपुरा) में जब तीन मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि उनका वोट पहले ही कोई डालकर चला गया है। पीड़ित मतदाताओं ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई और बिना वोट डाले ही केंद्र से लौट गए। वार्ड 23 में हंगामा: आरएमवी (RMV) स्कूल स्थित मतदान केंद्र की निर्धारित सीमा के भीतर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी पर भाजपा शहर जिला उपाध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली ने कड़ा विरोध जताया। दोनों पक्षों के बीच हंगामे की स्थिति बनते ही पुलिस ने हस्तक्षेप किया और बूथ सीमा से सभी को बाहर खदेड़ा। 200 मीटर के दायरे में प्रचार पर एक्शन: शोभागपुरा राजकीय प्राथमिक विद्यालय केंद्र के बाहर प्रतिबंधित 200 मीटर की परिधि में प्रचार कर रहे भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर वहां से हटाया।

**दिग्गजों ने डाला वोट:** उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने परिवार सहित सेक्टर-14 स्थित नवजीवन स्कूल केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। वहीं उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने गोवर्धन विलास स्थित डाइट केंद्र पर तथा ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने भी अपने समर्थकों के साथ बूथ पहुंचकर वोट डाला। प्रशासनिक सेवा के अधिकारी (RAS) शैलेष सुराणा भी विशेष रूप से वोट देने जयपुर से उदयपुर पहुंचे।

## समयबद्ध कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन एवं बीज उत्पादन में तेजी लाने के निर्देश

### बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा

**रायपुर,** छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम मुख्यालय, रायपुर में आज बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रबंध संचालक अजय अग्रवाल सहित मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं समस्त बीज प्रबंधक उपस्थित थे। बैठक में आत्मनिर्भर दलहन योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। चन्द्राकर ने समयबद्ध कार्यप्रणाली, वित्तीय अनुशासन एवं बीज उत्पादन में तेजी लाने के निर्देश दिए। चन्द्राकर ने बैठक में सभी बीज प्रबंधकों से योजना की वर्तमान प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही साथी पोर्टल पर किसानों एवं सहकारी समितियों के पंजीयन की भी विस्तृत समीक्षा की। बीज प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि पंजीयन का कार्य समय-सीमा में पूर्ण कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रम से जोड़ा जाए, ताकि आगामी बीज उत्पादन कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित हो सके। किसानों को बीज उत्पादन की प्रक्रिया एवं संबंधित तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। प्रबंध संचालक अजय अग्रवाल ने सभी बीज प्रबंधकों को शासकीय कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने, ई-ऑफिस के माध्यम से कार्यों का संचालन, जीएसटी एवं टीडीएस संबंधी कार्यों का समय पर निष्पादन, ऑडिट आपत्तियों की पुनरावृत्ति रोकने, गूगल शीट को प्रतिदिन अद्यतन रखने तथा मुख्यालय को भेजी जाने वाली जानकारी एवं आंकड़ों को पूर्ण सावधानी से जांचकर प्रेषित करने के निर्देश दिए।

## खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने लोगों को साइबर ठगी से सतर्क रहने का किया आह्वान

### मंत्री बघेल पुलिस विभाग द्वारा आयोजित साइबर जागृति अभियान कार्यक्रम में हुए शामिल



**रायपुर,** 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त सहयोग से 'साइबर जागृति - साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में रायपुर पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला, एनआईटी रायपुर के निदेशक (प्रभारी) डॉ. समीर बाजपेयी, डीसीपी वेस्ट रॉबिन्सन गुरिया, एडीसीपी साइबर गौरव मंडल सहित पुलिस अधिकारी, संस्थान के अधिकारी, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल ने डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए नागरिकों से यूपीआई, ओटीपी पासवर्ड एवं निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की अपील की। उन्होंने लोगों को साइबर ठगी से सतर्क रहने का आह्वान किया। मंत्री बघेल ने साइबर ठगी होने की स्थिति में तत्काल 1930 पर संपर्क करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी के बढ़ते खतरे से हमें और हमारे समाज को बचाने के लिए साइबर जागृति अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं गृह मंत्री के द्वारा किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य हमें डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।

'साइबर अपराधियों के नए तरीकों से कराया अवगत' कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को फिशिंग, यूपीआई, ओटीपी धोखाधड़ी, सोशल मीडिया पर पहचान की चोरी एवं प्रतिरूपण, सेक्सटॉर्शन तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों की पहचान और उनसे बचने के व्यावहारिक उपाय बताए गए। 'एडीसीपी डॉ. गौरव मंडल' ने कहा कि साइबर अपराधी केवल मोबाइल या बैंक खाते को ही निशाना नहीं बनाते, बल्कि मानव मनोविज्ञान का फायदा उठाकर भी लोगों को ठगी का शिकार बनाते हैं। उन्होंने लालच, भय, जल्दबाजी और जानकारी के अभाव को साइबर ठगी के प्रमुख कारण बताया। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी होने पर बिना देरी किए 1930 पर कॉल करने तथा साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

## सड़कों व पुलों के निर्माण, जल जीवन मिशन, खेल गतिविधियों और नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा की

**रायपुर,** उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज बीजापुर में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन विभागों के स्वीकृत, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा योजनाओं का लाभ नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री साव ने बीजापुर में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वीकृत एवं निर्माणाधीन सड़कों, पुलों, शासकीय भवनों तथा अधोसंरचना विकास के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब पर रोक लगाने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने अप्रारंभ कार्यों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री द्वारा फुंडरी में निर्माणाधीन पुल की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पुल का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है। साव ने शेष कार्यों को शीघ्र पूरा कर पुल को आवागमन के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं बेदरे में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल के संबंध में अधिकारियों ने रिटेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने तथा वर्क ऑर्डर जारी किए जाने की जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री ने कार्य को तेजी से आगे बढ़ाने और निर्धारित समय में पूरा करने को कहा। उन्होंने बासागुड़ा में तालपेरु नदी पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल सहित जिले के अन्य पुल-पुलियों की प्रगति की भी समीक्षा की। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री साव ने 'हर घर जल' योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि योजना का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब स्वीकृत योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक पात्र परिवार तक नियमित और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो। उन्होंने जलापूर्ति योजनाओं की सतत निगरानी, अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने तथा कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और लापरवाही बरतने से बचने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में राजस्व संग्रहण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना




सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि जिले में अब भयमुक्त और सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। इस अनुकूल वातावरण का लाभ बच्चों और युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने में लिया जाना चाहिए। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय स्तर से ही बच्चों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करने तथा उन्हें नियमित रूप से खेल गतिविधियों में शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों, पीटीआई, प्रशिक्षकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेते हुए गांव-गांव में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने को कहा। उन्होंने बच्चों को विभिन्न खेल विधाओं में प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं के अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि जिले में विकास कार्यों को गति देने के साथ उनकी गुणवत्ता और उपयोगिता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक उमेश प्रसाद गुप्ता, डीएफओ डॉ. जाधव सागर और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता चौबे सहित चारों विभागों के संभागीय स्तरीय एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

# रक्षाबंधन पर आजमगढ़ मंडल में साढ़े तीन लाख से अधिक महिलाओं और यात्रियों ने मुफ्त बस सेवा का लाभ उठाया

**लखनऊ,।** उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेश की मातृशक्ति को समर्पित निःशुल्क बस यात्रा योजना का व्यापक और सफल क्रियान्वयन आजमगढ़ सहित पूरे मंडल में सुनिश्चित किया गया। महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के संकल्प के तहत शासन के निर्देशों के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम तथा नगरीय बस सेवा की सभी बसों में महिलाओं को एक सहयात्री के साथ 27, 28 और 29 अगस्त तक लगातार तीन दिनों तक पूर्णतः निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस जनकल्याणकारी निर्णय से जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बहनों, माताओं और बेटियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में बड़ी राहत मिली।आजमगढ़ को केंद्र में रखते हुए मंडल के सभी सात डिपो आजमगढ़, बलिया, बेल्थरा रोड, मऊ, दोहरीघाट, अंबेडकरनगर और शाहगंज के माध्यम से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ और सुचारु रखा गया। पर्व के अवसर पर महिलाओं के सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन और परिवहन निगम ने विशेष कार्ययोजना तैयार की थी। इसके तहत बसों के फेरे बढ़ाने, समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने तथा बस स्टेशनों पर नागरिक सुविधाओं को दुरुस्त रखने के पुख्ता प्रबंध किए गए, जिससे यात्रियों को सुगम यात्रा का अनुभव मिला।तीन दिवसीय विशेष अभियान के दौरान आजमगढ़ मंडल में करीब साढ़े तीन लाख महिलाओं और उनके साथ यात्रा कर रहे



सहयात्रियों ने निःशुल्क बस सेवा का प्रत्यक्ष लाभ उठाया। शासन की ओर से दी गई इस सुविधा के तहत तीन दिनों में तीन करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के यात्रा टिकटों का भार सरकार ने वहन किया और सीधे तौर पर परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान किया। त्योहार के समय जब यात्रा खर्च अक्सर परिवारों के बजट को प्रभावित करता है, तब इस योजना ने आम जनता को बड़ी आर्थिक राहत पहुंचाई।परिवहन निगम द्वारा संकलित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अभियान के पहले दिन 27 अगस्त को मंडल के सातों डिपो के अंतर्गत 40,835 महिलाओं और उनके सहयात्रियों ने निःशुल्क यात्रा की। इसकी अनुमानित किराया राशि करीब 36 लाख 10 हजार रुपये रही। पर्व के मुख्य दिन 28 अगस्त को यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इस दिन करीब 97 हजार यात्रियों ने निःशुल्क परिवहन का लाभ उठाया और इसका कुल किराया मूल्य करीब एक करोड़ 17 लाख रुपये रहा। अभियान के अंतिम दिन 29 अगस्त को मध्य रात्रि तक करीब 88 हजार महिलाओं और सहयात्रियों ने यात्रा की, जिसका अनुमानित मूल्य करीब एक करोड़ 46 लाख रुपये आंका गया।इस पूरी अवधि में आजमगढ़ जिले के प्रमुख बस टर्मिनलों और संपर्क मार्गों पर यात्रियों की भारी चहल-पहल देखी गई। आजमगढ़ डिपो से चलने वाली लंबी और मध्यम दूरी की सेवाओं के साथ ग्रामीण अंचलों को जोड़ने वाली संपर्क बसों में भी महिलाओं की यात्रा को प्राथमिकता दी गई। जिला प्रशासन की सतत निगरानी में परिवहन निगम के स्थानीय अमले ने यह सुनिश्चित किया कि किसी भी मार्ग पर यात्रियों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। अतिरिक्त बसों की त्वरित तैनाती से भीड़भाड़ वाले समय में व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही।पर्व के अवसर पर सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा का अनुभव प्राप्त कर महिलाओं ने प्रदेश सरकार की इस जनकल्याणकारी नीति के प्रति संतोष और आभार व्यक्त किया। दूर-दराज के क्षेत्रों में अपने भाइयों को रक्षासूत्र बांधने जाने वाली बहनों के लिए एक सहयात्री को भी निःशुल्क यात्रा की अनुमति दिए जाने से विशेष सुविधा हुई। छोटे बच्चों और परिजनों के साथ यात्रा कर रही महिलाओं के लिए यह व्यवस्था न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हुई, बल्कि इससे उनकी यात्रा अधिक गरिमामयी और तनावमुक्त भी बनी।इसी क्रम में प्रदेश सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिक महिलाओं के लिए लागू लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के प्रावधानों का भी जिले में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिया। 60 वर्ष से अधिक आयु की बुजुर्ग महिलाओं को सम्मानपूर्वक और बिना किसी आर्थिक बोझ के यात्रा की सुविधा मिलने पर उन्होंने शासन की संवेदनशीलता की सराहना की। बुजुर्ग यात्रियों के लिए बस अड्डों पर बैठने, प्राथमिक चिकित्सा तथा सुगम प्रवेश की विशेष व्यवस्थाएं जिला प्रशासन की ओर से सुनिश्चित की गई।योजना का व्यापक लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़ी महिला तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने पहले से ही सुव्यवस्थित प्रचार-प्रसार अभियान चलाया था। आजमगढ़ स्थित हरिऔध कला केंद्र में शासन स्तर के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को तीन दिवसीय निःशुल्क यात्रा सुविधा तथा सहयात्री संबंधी नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस जागरूकता अभियान का परिणाम रहा कि ग्रामीण अंचल की महिलाओं ने भी पूरे अधिकार और उत्साह के साथ इस सुविधा का उपयोग किया।इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन और सूचना विभाग की ओर से मुद्रित, इलेक्ट्रॉनिक तथा सामाजिक माध्यमों के जरिए नियमित जन-संदेश प्रसारित किए गए। प्रमुख चौराहों, बस स्टेशनों तथा सार्वजनिक स्थलों पर सूचना पट्ट और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से समय-सारणी तथा नियमों से यात्रियों को अवगत कराया गया। पारदर्शी और त्वरित सूचना उपलब्ध होने से यात्रियों को अपनी यात्रा संबंधी व्यवस्थाओं में आसानी हुई और महिला यात्री सहजता से अपने गंतव्य तक पहुंच सकीं।रक्षाबंधन के दौरान यात्रियों की भारी संख्या को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था के भी कड़े इंतजाम किए गए थे।

# मायावती ने सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा- नीला कपड़ा पहनने से जातिवादी सोच नहीं बदल सकती

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य विरोधी दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बसपा का शुरू से चला आ रहा नीला रंग अब सपा, कांग्रेस और अन्य विरोधी दलों के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा गले में नीला गमछा डालने, नीले कपड़े पहनने और मंचों पर नीले कपड़े का इस्तेमाल करने से उनकी सोच नहीं बदल सकती। मायावती ने कहा कि सर्वसमाज, खासकर गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अन्य उपेक्षित वर्गों के प्रति वर्षों से चली आ रही जातिवादी, संकीर्ण, सामंती और पूंजीवादी सोच केवल बाहरी तौर-तरीके बदलने से समाप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज के वास्तविक हित और कल्याण के लिए पहले विरोधी दलों को अपना दिल और दिमाग साफ करना होगा।मायावती ने कहा कि ये दल इन वर्गों के मामले में गिरगिट की तरह रंग बदलते रहते हैं और कहते कुछ हैं, जबकि करते उसके ठीक विपरीत हैं। उन्होंने विशेष रूप से समाजवादी पार्टी के पीडीए को लेकर उसकी सोच, चाल, चरित्र और चेहरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस मामले में उसका रवैया हमेशा दोहरा और बेईमान रहा है, जिसके अनेक उदाहरण सामने हैं। उन्होंने दावा किया कि बहुजन समाज के हितों की वास्तविक हितैषी



और अंबेडकरवादी पार्टी केवल बसपा है।बसपा अध्यक्ष ने कहा कि अन्य दलों की तरह बसपा में भी अनुशासनहीनता सहित विभिन्न कारणों से समय-समय पर कुछ लोगों को निष्कासित किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोगों में से कई अब तक अनेक पार्टियां बदल चुके हैं। मायावती ने उन्हें स्वार्थी और अवसरवादी बताते हुए कहा कि ऐसे लोग किसी भी पार्टी के हित में नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी से निकाले गए कुछ लोग दूसरी पार्टियों के हाथों में खेलकर छोटी-छोटी पार्टियां और संगठन बना लेते हैं, जिनसे बहुजन समाज का सामूहिक हित पूरा नहीं हो सकता।मायावती ने कहा कि ऐसी छोटी पार्टियां बिना गठबंधन के चुनाव भी नहीं लड़ सकतीं और किसी पार्टी की सरकार बनने पर सरकार में शामिल हुए बिना भी नहीं रह सकतीं। उन्होंने उन दलों को भी अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दी, जो बसपा से निकाले गए लोगों को अपनी पार्टी में शामिल करने या अलग पार्टी बनाने की सलाह देने की बात कर रहे हैं।कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मायावती ने कहा कि जिन निष्कासित लोगों को कांग्रेस अपनी पार्टी में लेने की बात कर रही है, वह स्वयं डूबते जहाज की तरह है। ऐसे में कोई व्यक्ति उसमें शामिल होकर अपना भविष्य अंधकार में क्यों डालेगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी अपने जीवनकाल में कांग्रेस से दूरी बनाए रखने के लिए बहुजन समाज के लोगों को आगाह किया था। मायावती ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी और आंदोलन के हित में बसपा के लोगों के लिए इन बातों को जानना और समझना जरूरी है।मायावती ने अपने बयान में अशोक सिद्धार्थ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जिस दिन बसपा ने अशोक सिद्धार्थ को राजनीति से संन्यास लेने की सलाह दी थी, उस दिन उन पर काफी दबाव होने के बावजूद उन्होंने तत्काल अपने संन्यास की घोषणा नहीं की थी। मायावती का आरोप है कि उस रात उन्होंने संन्यास की घोषणा को रोकने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर अगले दिन सुबह करीब साढ़े छह बजे मजबूरी में संन्यास लेने की घोषणा की।

## कन्नौज दुग्ध संयंत्र को बेचा नहीं गया, 10 वर्ष के लिए एनडीडीबी को संचालन की जिम्मेदारी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि कन्नौज दुग्ध संयंत्र को न तो बेचा गया है और न ही उसका स्वामित्व राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को हस्तांतरित किया गया है। पशुपालकों के हित में संयंत्र का बेहतर और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इसे 10 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे और लाभ में हिस्सेदारी के आधार पर एनडीडीबी को संचालन के लिए सौंपा गया है।कन्नौज दुग्ध संयंत्र की स्थापित क्षमता प्रतिदिन एक लाख लीटर है। करीब 84.69 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस संयंत्र का निर्माण वर्ष 2019 में पूरा हुआ था और दिसंबर 2019 से इसका संचालन शुरू किया गया था। अपेक्षित मात्रा में दूध का संकलन नहीं हो पाने, स्थापित क्षमता के अनुरूप संचालन न होने तथा वित्तीय रूप से संतुलित संचालन संभव नहीं होने के कारण अक्टूबर 2022 से संयंत्र का नियमित संचालन नहीं हो पा रहा था। इसे बेहतर, दक्ष और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाने के उद्देश्य से 10 वर्ष की निश्चित अवधि के लिए पट्टा किराया और लाभ में हिस्सेदारी के आधार पर सहकारिता के माध्यम से संचालन के लिए एनडीडीबी को सौंपा गया है।दुग्ध विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार संयंत्र के संचालन के लिए 25 जून 2025 को प्रादेशिक कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच समझौता ज्ञापन किया गया था। इसके तहत संयंत्र को 10 वर्ष की अवधि के लिए एनडीडीबी को पट्टे पर संचालन के लिए दिया गया है। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार एनडीडीबी द्वारा प्रारंभिक निवेश करते हुए संयंत्र का संचालन किया जा रहा है। समझौता ज्ञापन में पीसीडीएफ को प्रतिवर्ष 1.07 करोड़ रुपये पट्टा किराया तथा लाभ में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी दिए जाने का प्रावधान किया गया है।दुग्ध संयंत्र के संचालन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में दूध संकलन व्यवस्था को मजबूत करना, दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को सक्रिय करना, पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों को उनके दूध का उचित एवं समयबद्ध मूल्य उपलब्ध कराना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।सरकार का कहना है कि इस महत्वपूर्ण सार्वजनिक परिसंपत्ति को निष्क्रिय रखने के बजाय उसकी क्षमता का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने और क्षेत्र के दुग्ध उत्पादकों को दीर्घकालिक लाभ तथा स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एनडीडीबी की तकनीकी विशेषज्ञता, प्रबंधकीय दक्षता और डेयरी क्षेत्र के अनुभव का उपयोग करने का निर्णय लिया गया है।

# केबल चोरी करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार, दो बंडल केबल और ऑटो बरामद

**लखनऊ।** मोहनलालगंज पुलिस ने केबल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से काले रंग के दो बंडल केबल और चोरी में प्रयुक्त एक ऑटो बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मुकेश, अंकित वर्मा और गौरव श्रीवास्तव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों आपस में मित्र हैं और नशे के आदी हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे।पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट लखनऊ तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा




रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मोहम्मद मुश्ताक के पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार तथा सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन और प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज राम बाबू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की।पुलिस के मुताबिक 10 सितंबर 2026 को रायबरेली-लखनऊ मार्ग स्थित हरि रेस्टोरेंट के पास से करीब 50.60 मीटर केबल काटकर चोरी कर ली गई थी। मामले में सीतापुर निवासी सत्य प्रकाश ने थाना मोहनलालगंज में प्रार्थना पत्र दिया था। इसके आधार पर मुकदमा संख्या 340/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी और चोरी की केबल की बरामदगी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने दो पुलिस टीमों का गठन किया था।गठित टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से अभियुक्तों की पहचान की। इसके बाद मुकेश पुत्र भीखा निवासी चमयानी सिंहपुर, थाना पुरवा, जनपद उन्नाव, उम्र करीब 36 वर्ष, अंकित वर्मा पुत्र स्वर्गीय माताप्रसाद निवासी स्नेहलनगर, थाना कृष्णानगर, लखनऊ, उम्र करीब 24 वर्ष तथा गौरव श्रीवास्तव पुत्र स्वर्गीय सोनू श्रीवास्तव निवासी चिल्लावा, थाना सरोजनीनगर, लखनऊ, मूल निवासी मुंशीखेड़ा, ट्रांसपोर्ट नगर, चन्दन नगर, थाना सरोजनीनगर, लखनऊ, उम्र करीब 22 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि वे सभी आपस में मित्र हैं और नशे के आदी हैं। नशे की लत पूरी करने के लिए मिलकर चोरी करते थे। उन्हें जहां भी कोई कीमती सामान दिखाई देता था, मौका पाकर चोरी कर लेते थे। चोरी का सामान अंकित के ऑटो में रखकर ले जाते और उसे बेचने से मिले रुपये आपस में बांट लेते थे। अभियुक्तों ने बताया कि 8 और 9 सितंबर की मध्यरात्रि में उन्होंने हरि रेस्टोरेंट के पास रायबरेली-लखनऊ मार्ग से भूमिगत केबल चोरी की थी और चोरी की गई केबल को कुछ दूरी पर झाड़ियों में छिपा दिया था। वे केबल को बेचने के लिए ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी पुलिस टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त मुकेश के विरुद्ध कुल तीन मुकदमे दर्ज हैं।

# राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी गांव-गांव पहुंचाएंगे पीआरवी वाहन, 19 लाख एसएमएस से भी जागरूकता

**लखनऊ।** आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर आमजन को जागरूक करने और अधिक से अधिक सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति एवं सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ और पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने संयुक्त रूप से विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में जनपद न्यायालय लखनऊ परिसर से डायल-112 के पीआरवी वाहनों को राष्ट्रीय लोक अदालत और मध्यस्थता-3.0 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मलखान सिंह तथा राष्ट्रीय लोक अदालत की नोडल अधिकारी और पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की अधिकारी किरण यादव ने वाहनों को रवाना किया।इस पहल का



उद्देश्य राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी को केवल शहर तक सीमित रखने के बजाय लखनऊ के ग्रामीण, दूरस्थ और सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुंचाना है, ताकि जानकारी के अभाव में कोई पात्र व्यक्ति लोक अदालत के लाभ से वंचित न रहे। पीआरवी वाहनों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता संदेश प्रसारित किए जाएंगे और लोगों को अपने लंबित एवं सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति से सरल, शीघ्र और सौहार्दपूर्ण समाधान कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए लखनऊ के नागरिकों को मोटर वाहन अधिनियम के चालानों से संबंधित करीब 19 लाख एसएमएस भी भेजे गए हैं। इन संदेशों के माध्यम से वाहन स्वामियों और आम नागरिकों को 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने सुलहनीय चालानी मामलों के निस्तारण का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया है। इस पहल के जरिए बड़ी संख्या में लोगों तक सीधे लोक अदालत से संबंधित जानकारी पहुंचाई जा रही है।राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी वाद, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण से संबंधित मामले, बैंक एवं वित्तीय विवाद, उपभोक्ता विवाद, राजस्व वाद, चालानी वाद सहित विभिन्न सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर निस्तारण कराया जा सकता है। इसके माध्यम से पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलने के साथ विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करने का अवसर मिलता है।अभियान के तहत मध्यस्थता-3.0 के बारे में भी लोगों को जानकारी दी जा रही है। इसके अंतर्गत 1 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक मामलों को मध्यस्थता के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया चलेगी, जबकि 1 अक्टूबर से 30 दिसंबर 2026 तक मध्यस्थता के माध्यम से मामलों के समाधान का प्रयास किया जाएगा।



## सूचना बेदखली

**मैं सतनाम पुत्र जंगली प्रसाद ग्राम पत ?हिया डाकखाना नानपारा जि0 बहराइच का मूल निवासी हूँ। मेरे तीन पुत्र हैं। जिसमें अनिल कुमार पुत्र सतनाम जो प्रार्थी पिता है पुत्र अनिल का चाल-चलन नहीं सही रहता है जो परिवार के प्रति अपनी कमाई को पूरे परिवार को दवा-पानी का पैसा नहीं देता है और उसका आचरण ठीक नहीं है। लड़ाई-झगड़ा गाली-गलौज इन बुरी आदतों के कारण में अपने चल-अचल, सम्पत्ति से (जैसे कि मकान-जमीन बैंक खाता से अपने पुत्र अनिल कुमार को पूरी तरह से बेदखल करता हूँ। तथा भविष्य में अनिल कुमार के द्वारा किये गये किसी भी कानूनी गैर कानूनी वित्तीय या सामाजिक कृत के लिए मैं या मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।**

## सूचना

राज गुप्ता नाम से हाई स्कूल और इंटरमीडिएट का मार्कशीट कहीं गुम हो गई कुशीनगर जनपद के खड्डा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत बुलहवा छितौनी निवासी राज गुप्ता पुत्र छोटेलाल गुप्ता निवासी उपरोक्त का हाई स्कूल और इंटरमीडिएट का मार्कशीट कहीं खो गया है जिस भी सज्जन को उपरोक्त मार्कशीट मिल जाए। मोबाइल नंबर- 8853507654 पर संपर्क करें धन्यवाद!

# संक्षिप्त समाचार

## लखनऊ समेत देशभर में एक दिवसीय बैंक हड़ताल, बैंक कर्मियों ने किया प्रदर्शन

**लखनऊ।** यूनाइटेड बैंक फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को लखनऊ समेत देशभर में बैंक कर्मियों ने एक दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के चलते भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक समेत प्रमुख बैंकों की शाखाओं में सामान्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। लखनऊ के हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक के बाहर बैंक कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध जताया।बैंक कर्मी पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने समेत कई अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। हड़ताल के कारण आज बैंक शाखाओं में नियमित कामकाज नहीं होगा। हालांकि डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई और एटीएम जैसी कुछ सेवाएं जारी रहने की संभावना है।बैंक कर्मचारी संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं होने पर 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी गई है। बैंक कर्मियों का कहना है कि उनकी लंबित मांगों पर सरकार और संबंधित पक्षों को गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र समाधान निकालना चाहिए।

## मारपीट कर जबरन वसूली करने वाले दो गिरफ्तार, दो मोबाइल और बाइक बरामद

**लखनऊ।** काकोरी पुलिस और पश्चिमी जोन की सर्विलांस टीम ने मारपीट कर जबरन वसूली करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो स्मार्ट फोन और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जीशान और सहवान उर्फ शाबान के रूप में हुई है। दोनों को 10 सितंबर की रात बबुरियाखेड़ा अंडरपास होकर खुशहालगंज की तरफ जाने वाली सर्विस रोड के तिराहे से गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार 25 जुलाई 2026 को मुदित यादव निवासी निजामपुर मल्लोर, गोमतीनगर, लखनऊ ने थाना काकोरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि अभियुक्तों ने उसके साथ मारपीट कर जबरन क्यूआर कोड के माध्यम से 14 हजार रुपये अपने खाते में स्थानांतरित करा लिए और दो मोबाइल फोन भी ले लिए। शिकायत के आधार पर थाना काकोरी में मुकदमा संख्या 242/2026 धारा 308(5)/115(2) बीएनएस के तहत जीशान और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे के लिए काकोरी पुलिस और पश्चिमी जोन की सर्विलांस टीम का गठन किया गया। संयुक्त टीम ने क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान से संबंधित जानकारी जुटाई और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद पुलिस ने जीशान पुत्र अनीस, मूल निवासी कल्याणपुर, थाना संडीला, जनपद हरदोई, हाल निवासी खुशहालगंज, थाना पारा, लखनऊ, उम्र करीब 23 वर्ष तथा सहवान उर्फ शाबान पुत्र नवी हुसैन, मूल निवासी ग्राम अटौरा, थाना आसीवन, जनपद उन्नाव, हाल निवासी काकोरी मोड़, थाना पारा, लखनऊ, उम्र करीब 21 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से वीवो टी प्रो 5जी और सैमसंग एम12 स्मार्ट फोन बरामद किए। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर प्रो मोटरसाइकिल संख्या यूपी32जीई2058 भी बरामद की गई। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तारी के कारण और आधार से अवगत कराने के बाद विधिक प्रक्रिया के तहत हिरासत में लिया गया तथा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त जीशान का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ थाना पारा में वर्ष 2025 में धारा 115(2), 352 और 351(3) बीएनएस के तहत तथा थाना ठाकुरगंज में धारा 303(2), 317(2) और 61(2) बीएनएस के तहत मुकदमे दर्ज हैं।इस कार्रवाई में काकोरी पुलिस टीम और पश्चिमी जोन की सर्विलांस टीम शामिल रही। काकोरी पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सतीश चन्द्र राठौर, उपनिरीक्षक छत्रजीत सिंह, उपनिरीक्षक अभिमन्यु सिंह, उपनिरीक्षक दयानन्द तिवारी और आरक्षी विवेक कुमार शामिल रहे। सर्विलांस टीम में उपनिरीक्षक अंकित कुमार के नेतृत्व में मुख्य आरक्षी वीर सिंह, मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार तिवारी, आरक्षी विभोर कुमार और आरक्षी आशीष कुमार कुशवाहा शामिल रहे।

## गोंडा व्यापारी हत्याकांड को लेकर संजय सिंह का योगी सरकार पर हमला, कहा- कानून का इकबाल खत्म

**लखनऊ,** । आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था और गोंडा में व्यापारी विनोद कुमार साहनी की हत्या को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से जारी बयान में उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में कानून का इकबाल पूरी तरह समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश सरकार में शामिल कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद को अपनी ही पुलिस के रवैये के खिलाफ न्याय की मांग को लेकर केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस के बाहर धरने पर बैठना पड़ रहा है, तो आम जनता की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा।संजय सिंह ने कहा कि गोंडा जिले के परसपुर थाना क्षेत्र में बर्तन व्यापारी और निषाद पार्टी के कार्यकर्ता विनोद कुमार साहनी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। गंभीर रूप से घायल व्यापारी ने लखनऊ स्थित केजीएमयू में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक और हैरान करने वाली स्थिति है कि एक मृतक व्यापारी को न्याय दिलाने के लिए प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री को सड़क पर धरने पर बैठना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सत्ता में बैठे लोग ही अपनी सरकार के पुलिस और प्रशासन से न्याय नहीं पा रहे हैं तो थाने और चौकियों के चक्कर काट रहे गरीब, मजलूम और आम नागरिकों की स्थिति क्या होगी।आप सांसद ने आरोप लगाया कि गोंडा की घटना में स्थानीय पुलिस प्रशासन ने आरोपियों को संरक्षण दिया। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों का आरोप है कि परसपुर के थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी मामले में लगातार लापरवाही बरतते रहे और आरोपियों पर कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित को ही परेशान किया गया। संजय सिंह ने कहा कि जब सरकार में सहयोगी दल के शीर्ष नेता को लापरवाह पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने, उन्हें निलंबित करने और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठना पड़ रहा है तो यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीरो टॉलरेंस के दावे पर सवाल खड़ा करता है।संजय सिंह ने भाजपा सरकार पर व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में व्यापारियों की हत्या की घटनाएं हो रही हैं और पीड़ितों को न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस पीड़ितों की मदद करने के बजाय अपराधियों के पक्ष में खड़ी नजर आती है। उन्होंने कहा कि सरकार के सहयोगी दल के नेता भी पीड़ित परिवार के लिए सुरक्षा, मुआवजा और न्याय की मांग करने को मजबूर हैं।संजय सिंह ने प्रदेश सरकार से मांग की कि गोंडा के व्यापारी विनोद साहनी हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर सजा दिलाई जाए। उन्होंने पीड़ित परिवार को कथित रूप से परेशान करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई किए जाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी व्यापारियों और आम जनता के उत्पीड़न के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी और प्रदेश में बढ़ते अपराध के खिलाफ अपनी आवाज मजबूती से उठाती रहेगी।

## सम्पूर्ण समाधान दिवस में 149 शिकायतें दर्ज, महापौर ने समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ मुख्यालय, लालबाग में शुक्रवार को महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने नगर निगम से संबंधित अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं। समाधान दिवस में कुल 149 शिकायतें दर्ज की गईं।प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक 89 शिकायतें कर विभाग से संबंधित रहीं। इसके अलावा इंजीनियरिंग एवं जल निकासी विभाग की 31, जल एवं सीवरेज विभाग की 22, मार्ग प्रकाश विभाग की तीन, उद्यान विभाग की दो तथा सफाई और पशु विभाग से एक-एक शिकायत प्राप्त हुई।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक- शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।